

१३ काही आयुर्वेदिक औषधांची माहिती
(आयुर्वेद)

| | चूर्ण | कोणत्या आजारावर | मात्रा |
|-----|------------------------|-----------------------------|---------------------------------|
| १. | अविपत्तिकर चूर्ण | आम्लता | अर्धा ग्रॅम X २-३ वेळा. |
| २. | अर्जुन चूर्ण/गोळी | हृदयाची शक्ती वाढवण्यासाठी | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| ३. | आवळा चूर्ण/गोळी | पित्तनाशक, पाचक, विरेचक | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| ४. | एरंड-हिरडा चूर्ण | बद्धकोष्ठ | अर्धा ग्रॅम रात्री |
| ५. | बलयातुभद्र चूर्ण | मुलांना ताप, सर्दी खोकला | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| ६. | गोक्षुर चूर्ण | लघवी वाढवणे/साफ करणे | गुग्गुळ २ गोळ्या X २ वेळा |
| ७. | हिंंगाष्टक चूर्ण | गॅस, अपचन यावर. भूक वाढवते. | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| ८. | कटुकी चूर्ण | पित्ताचा ताप | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| ९. | लवण भास्कर चूर्ण | गॅस, अपचन | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| १०. | मधुविरेचन चूर्ण | बद्धकोष्ठ | अर्धा ग्रॅम रात्री |
| ११. | नागकेशर चूर्ण | रक्तस्राव | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| १२. | पाचन चूर्ण | भूक वाढवण्यासाठी | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |
| १३. | पुनर्नवा चूर्ण / काढा | लघवी साफ करणे, शीतल करणे | चूर्ण अर्धा ते १ ग्रॅम X २ वेळा |
| १४. | शतावरी चूर्ण/गोळ्या | शक्ती वाढवणे | १ ग्रॅम/२गोळ्या X २ वेळा |
| १५. | सीतोफलादी चूर्ण/गोळ्या | खोकला, सर्दी | १ ग्रॅम/२गोळ्या X २ वेळा |
| १६. | सुंठ चूर्ण/गोळ्या | पाचक | १ ग्रॅम/२गोळ्या X २ वेळा |
| १७. | त्रिफळा चूर्ण/गोळ्या | बद्धकोष्ठ | १ ग्रॅम रात्री |
| १८. | वावडींग चूर्ण | कृमी | १ ग्रॅम X २ वेळा |
| १९. | यष्टिमधू चूर्ण | कफदोष कमी करणे | अर्धा ग्रॅम X २ वेळा |

| | वटी | कोणत्या आजारावर | मात्रा |
|----|--------------------------|-------------------------------------|--------------------------------|
| १. | .आनंदभैरव रस | त्रिदोषनाशक, जुलाब थांबवण्यासाठी | १ गोळी X २ वेळा |
| २. | आरोग्यवर्धिनी रस/ गोळ्या | भूक वाढवणे, पाचक, यकृतास आरोग्यदायक | २५० मि.ग्रॅ. २ गोळ्या X २ वेळा |
| ३. | लसूणादि वटी | अपचन | १ गोळी X २ वेळा |
| ४. | कुटजघनवटी | जुलाब, हगवण, आव | १ गोळी X २ वेळा |
| ५. | खदिरादी वटी | गळू, मुखरोग | १ गोळी X ३ वेळा चघळणे |
| ६. | लघुवसंत मालती | आरोग्यवर्धक | १ गोळी X २ वेळा |
| ७. | महामंजिष्ठादिवटी/काढा | त्वचारोग, रक्तशोधन | १ गोळी X २ वेळा |
| ८. | पुनर्नवा मंडूर | रक्तवर्धक, दाहशामक | १.१ गोळी X २ वेळा |

| | | | |
|-----|-------------------|--------------------------------|-------------------|
| ९. | रजःप्रवर्तनी | मासिक पाळीचा त्रास कमी करणे. | १ गोळी X २ वेळा |
| १०. | संशमनी वटी | जुनाट ताप, खोकला | २ गोळ्या X २ वेळा |
| ११. | शुद्ध गुग्गुळ वटी | वातरोग, मेदोवृद्धी | २ गोळ्या X २ वेळा |
| १२. | संजीवनी वटी | ताप, अपचन, कृमी | १ गोळी X २ वेळा |
| १३. | सूतशेखर वटी | आम्लता, पोटात जळजळ, मळमळ, उलटी | १-१ गोळी X २ वेळा |
| १४. | शिरशूलादी वटी | डोकेदुखी | १ गोळी X २ वेळा |
| १५. | शंखवटी | गॅसेस, पोटदुखी, भूक वाढवणे | १ गोळी X २ वेळा |
| १६. | श्वासकुठार रस | सर्दी, दमा | १ गोळी X २ वेळा |
| १७. | त्रिभूवनकीर्ती रस | ताप | २ गोळ्या X २ वेळा |
| १८. | सुदर्शन घनवटी | मलेरिया, पित्तदोष | २ गोळ्या X २ वेळा |